Prof. (Dr.) Sanjay Kumar
Department of Psychology
Maharaja College Ara

## पिछड़ा बालक: परिभाषा, प्रकार, कारण एवं समाधान

"पिछड़ा बालक" उन बच्चों को कहा जाता है जो शारीरिक, मानसिक, शैक्षिक, सामाजिक या आर्थिक रूप से अन्य बच्चों की तुलना में पिछड़े होते हैं। इनके विकास और प्रगति में विभिन्न बाधाएँ होती हैं, जिन्हें पहचानकर सही मार्गदर्शन देने की आवश्यकता होती है।

### पिछड़े बालकों के प्रकार

### (A) शैक्षिक रूप से पिछड़ा बालक (Educationally Backward Child)

ये वे बच्चे होते हैं जो अपनी कक्षा के अन्य बच्चों की तुलना में धीमी गति से सीखते हैं और उनकी शैक्षिक उपलब्धि अपेक्षाकृत कम होती है।

**लक्षण**:

पढ़ने-लिखने और गणित में कठिनाई

ध्यान केंद्रित करने में समस्या

कम अंक प्राप्त करना और कक्षा में पिछड़ जाना

सीखने में रुचि की कमी

**कारण**:

शिक्षा की उपयुक्त सुविधा न मिलना

घर में पढ़ाई का सही वातावरण न होना

सीखने में कठिनाइयाँ (Learning Disabilities)

शिक्षक का सही मार्गदर्शन न मिलना

Edit with WPS Office

**समाधान**:

विशेष शिक्षण विधियाँ अपनाना (जैसे ऑडियो-विजुअल तकनीक)

धीमी गति से पढ़ाई करवाना और अधिक अभ्यास कराना

व्यक्तिगत ध्यान देना

माता-पिता और शिक्षकों के बीच समन्वय बढ़ाना

**(B) सामाजिक रूप से पिछड़ा बालक (Socially Backward Child)**

ऐसे बच्चे जिनकी पारिवारिक, सामाजिक या आर्थिक स्थिति के कारण उनका समुचित विकास नहीं हो पाता।

**लक्षण**:

आत्मविश्वास की कमी

समाज के प्रति नकारात्मक सोच

दोस्तों की कमी और अकेलापन महसूस करना

सामाजिक गतिविधियों में भाग न लेना

**कारण**:

गरीबी और आर्थिक असमानता

परिवार में अशिक्षा और असंवेदनशीलता

भेदभाव और सामाजिक अस्वीकार्यता

हिंसा या घरेलू समस्याएँ

**समाधान**:

माता-पिता को जागरूक करना और सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना

स्कूलों में समावेशी (Inclusive) शिक्षा प्रणाली अपनाना

बालकों को नैतिक शिक्षा देना और आत्मविश्वास बढ़ाना

सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ दिलाना

Edit with WPS Office

### (C) मानसिक रूप से पिछड़ा बालक (Intellectually Backward Child)

ऐसे बच्चे जिनकी मानसिक क्षमता अन्य बच्चों की तुलना में कम होती है और वे सामान्य रूप से सीखने और समझने में कठिनाई महसूस करते हैं।

**लक्षण**:

बौद्धिक स्तर (IQ) कम होना

सोचने, समझने और निर्णय लेने की धीमी क्षमता

संचार (Communication) में समस्या

समस्याओं को हल करने में कठिनाई

**कारण**:

जन्मजात विकार (Genetic Disorders)

कुपोषण और स्वास्थ्य समस्याएँ

गर्भावस्था के दौरान माँ की गलत जीवनशैली (धूम्रपान, नशा आदि)

मानसिक रोग या न्यूरोलॉजिकल समस्याएँ

**समाधान**:

विशेष शिक्षा (Special Education) का उपयोग

चिकित्सकीय परामर्श (Medical Counseling)

मानसिक विकास के लिए खेल और गतिविधियाँ

धैर्य और सहानुभूति के साथ इन बच्चों की देखभाल

### (D) आर्थिक रूप से पिछड़ा बालक (Economically Backward Child)

ऐसे बच्चे जिनकी पारिवारिक आर्थिक स्थिति कमजोर होती है, जिससे उनकी शिक्षा, पोषण और समुचित विकास प्रभावित होता है।

Edit with WPS Office

**लक्षण**:

स्कूल छोड़ने की संभावना अधिक होती है

अच्छे भोजन और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी

आत्म-सम्मान की कमी

गलत आदतों की ओर झुकाव (जैसे बाल श्रम, नशा आदि)

**कारण**:

गरीबी और बेरोजगारी

शिक्षा और संसाधनों की कमी

सरकारी योजनाओं की जानकारी का अभाव

समाज में भेदभाव

**समाधान**:

सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा शिक्षा और भोजन की सुविधाएँ देना

मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा को प्रोत्साहित करना

व्यावसायिक शिक्षा (Vocational Training) देकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना

जागरूकता कार्यक्रम चलाना

पिछड़े बालकों की समस्याएँ कई प्रकार की हो सकती हैं, लेकिन सही मार्गदर्शन, शिक्षा और सहयोग से उन्हें मुख्यधारा में लाया जा सकता है। परिवार, समाज, शिक्षक और सरकार सभी की संयुक्त भागीदारी से इन बच्चों का जीवन सुधारा जा सकता है।

Edit with WPS Office